समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

भारत मे फिर लौटा कोविड-19 का खतरा : केद्रं सरकार सतर्क, केरल-महाराष्ट्र मे संबसे ज्यादा केस।

Publisher

Published on 20 May 2025

भारत मे फिर लौटा कोरोना वायरस : JN.1 वैरिएंट से बढ़ी चिंता, जाने कितने केस।

नई दिल्ली, 20 मई 2025: कोरोना वायरस एक बार फिर भारत समेत एशियाई देशों में अपने पैर पसारने लगा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि 19 मई तक **देश मे कंोविड-19 के कुल 257 एक्टिव केस** दर्ज किए गए हैं। इस बार वायरस का नया रूप **JN.1 वैरिएंट** चिंता का कारण बना है, जो कि ओमिक्रॉन के BA.2.86 वंश का वेरिएंट है।

देश मे संबसे अधिक मामले केरल मे

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, **केरल मे 95 एक्टिव केस** हैं जो कि देश में सबसे ज्यादा हैं। **महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, और सिक्किम** में भी कोरोना के नए मामले सामने आए हैं:

१. **केरल : 95 केस**
२. **तमिलनाडु : 34 केस**
३. **कर्नाटक : 8 केस**
४. **महाराष्ट्र: 7 केस**
५. **गुजरात : 6 केस**
६. **दिल्ली : 3 केस**
७. **हरियाणा, राजस्थान, सिक्किम : 1-1 केस**

एशिया मे भी कोविड की वापसी

१. भारत के साथ-साथ **हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैडं,** और **चीन** जैसे देशों में भी **कोविड-19** के केस तेजी से बढ़ रहे हैं।

२.'**सिंगापुर मे 27 अप्रैल से 3 मई** के बीच अनुमानित **14,200** नए केस दर्ज हुए हैं।

३. **हांगकांग मे 3 मई** तक के सप्ताह में 31 केस सामने आए।

४. **थाईलैडं** में भी केस ग्राफ बढ़ रहा है।

क्या है JN.1 वैरिएंट ?

JN.1 वैरिएंट, ओमिक्रॉन के BA.2.86 वेरिएंट का सब-वर्जन है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, इस वेरिएंट में लगभग 30 म्यूटेशन हैं। इसके दो प्रमुख वर्जन **LF.7** और **NB.1.8** बताए गए हैं, जो हाल के मामलों में सबसे ज्यादा सामने आए हैं।

केद्रं सरकार ने जारी किया अलर्ट

स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को निगरानी और जीनोम सीक्वेंसिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। लोगों को भीड़भाड़ से बचने, मास्क पहनने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और समय-समय पर अपडेट दे रही है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.